



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

४६५१९९

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITYसं. 59]
No. 59]नई दिल्ली, ब्रह्मस्थितिवार, मार्च 18, 1999/फाल्गुन 27, 1920
NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 18, 1999/PHALGUNA 27, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

(पाटनरोधी तथा सम्बद्ध सीमाशुल्क महानिदेशालय)

आरंभिक अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1999

विषय :—चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाईलैंड से पॉलिस्टरीन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच का आरंभ।

संख्या 33/1/98-झीजीएडी : सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 तथा कस्टम टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी सीमाशुल्क की पहचान, मूल्यांकन एवं समाहरण तथा हानि का निश्चयन) नियमावली, 1975 के अनुसार स्वदेशी उद्योग की ओर से मैसर्स पॉलिस्टरीन प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने पदनामित प्राधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाईलैंड से पॉलिस्टरीन के आरोपित पाटन के लिए, पाटनरोधी सीमाशुल्क लगाने का अनुरोध करते हुए याचिका प्रस्तुत की है।

1. **स्थिति :** वादी, भारत में पॉलिस्टरीन उत्पादकों का एक एसोसिएशन है और याचिका को निम्नलिखित 3 उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है :—

- सुप्रीम पेट्रोकेम लिमिटेड, मुम्बई
- एलजी पालीमर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापट्टनम
- राजस्थान पॉलीमर्स एण्ड रेजिस लिमिटेड, आबू रोड, राजस्थान

उपरोक्त तीन कम्पनियों का उत्पादन, भारत में पॉलिस्टरीन के उत्पादन का प्रमुख भाग है और इसलिए एसोसिएशन, स्वदेशी उद्योग की ओर से याचिका दायर करने के आधार की पूरा करती है।

2. **— संबंधित उत्पाद :** वर्तमान याचिका में संबंधित उत्पाद चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाईलैंड मूल के या वहां से निर्यातित पॉलिस्टरीन है, जो कस्टम टैरिफ एकट के उपशीर्ष 3903 में वर्णीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जाँच के विषय-क्षेत्र पर बाध्यकर नहीं है।

3. **संबंधित देश/क्षेत्र :** वर्तमान जाँच में सम्बद्ध देश चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाईलैंड हैं।

4. **समान वस्तुएं :** बादी ने दावा किया है कि चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाईलैंड में निर्यातित माल तथा बादी द्वारा उत्पादित माल का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है और इसलिए उनकी विशेषताएं एक-दूसरे से बहुत मेल खाती हैं अतः विषयगत कम्पनियों द्वारा उत्पादित माल को, चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाईलैंड से आयातित माल के समान माना जा सकता है। ऐसा नियमों के अर्थों के भीतर माना जा सकता है।

5. **पार्टन तथा पाटन मार्जिन**

क. **सामान्य मूल्य :** बादीयों ने चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर के लिए आईसीआईएस-एलओआर ग्रुप परिस्लिकेशन के आधार पर निर्यातिक के स्वदेशी बाजार में वर्तमान पॉलिस्टरीन के बिक्री मूल्यों के आधार पर, सामान्य मूल्य का दावा किया है। थाईलैंड के मामले में सामान्य मूल्य का दावा, विश्व उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है।

ख. **निर्यात मूल्य :** बादी ने निर्यात मूल्य का दावा, वाणिज्य आसूचना तथा सांख्यिकी महानिदेशालय, कलकत्ता (डीजीसीआईएस) के आंकड़ों एवं मुम्बई और कांडला बंदरगाहों हेतु 1997-98 के लिए सीमाशूल्क दैनिक सूचियों से संकलित आंकड़ों के आधार पर किया है।

ग. **विषयगत देशों/क्षेत्र में सामान्य मूल्य के संबंध में प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं, जिन मूल्यों पर विषयगत देशों/क्षेत्र से माल-निर्यात किए गए हैं तथा विषयगत देशों/क्षेत्र में पॉलिस्टरीन के जो सामान्य मूल्य हैं, वे उन मूल्यों से काफी ऊचे हैं जिन पर इनका भारत को निर्यात किया गया है। यह प्रथम दृष्टया बताता है कि विषयगत देशों/क्षेत्र से निर्यातकों द्वारा माल का पाटन किया जा रहा है।**

6. **क्षति :** बादी ने दावा किया है कि भारत में पॉलिस्टरीन के आयातों से विषयगत कम्पनियों को आर्थिक हानि हुई है और इससे और भी आर्थिक हानि होने की संभावना है। पॉलिस्टरीन के आयात भारत में ऐसे मूल्य पर आ रहे हैं, जिनका भारत में पॉलिस्टरीन के स्वदेशी मूल्यों पर अवसादन का और/या दबाव का प्रभाव पड़ रहा है। स्वदेशी उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक संकेत जैसे स्वदेशी मूल्यों और प्राप्तियों में गिरावट, लाभ/हानि, समग्र तथा संचित रूप से, प्रथम दृष्टया बताते हैं कि स्वदेशी उद्योग को आर्थिक हानि हुई है और इससे आर्थिक हानि होने की संभावना भी है।

7. **पाटनरोधी जाँच का आरंभ :** अतः प्राधिकारी चीन जनवादी गणराज्य, हांगकांग, सिंगापुर तथा थाईलैंड मूल के या वहां से निर्यातित विषयगत माल के आरोपित पाटन के बजूद, डिग्री तथा प्रभाव जानने के लिए पाटनरोधी जाँच शुरू करते हैं।

8. **जाँच की अवधि :** वर्तमान जाँच के प्रयोजन के लिए, जाँच की अवधि 1 अप्रैल, 1997 से 30 सितम्बर, 1998 है।

9. **सूचना देना :** उक्त देशों के जात सम्बद्ध निर्यातकों एवं भारत के जात सम्बद्ध आयातकों को संबंधित सूचना निर्धारित रूप एवं ढंग में एवं अपने विचार निम्नलिखित को देने के लिए अलग से लिखा जा रहा है :

आमती रति विनय झा,
पदनामित प्राधिकारी एवं अपर सचिव,
भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय,
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी, नीचे दी गयी समयावधि की सीमा के भीतर निर्धारित रूप और ढंग से, जाँच से संबंधित अभिवेदन दे सकती है।

10. **समय की सीमा :** वर्तान जाँच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए और जो उपरोक्त पते पर पदनामित प्राधिकारी के पास, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि, जिन जात निर्यातकों तथा आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है; उनको अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी।

11. **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण :** नियम 6(7) के अनुसार, रुचि रखने आली कोई भी पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय रूप दिए गए हैं।

12. **नदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना तक पहुँच को मना करती है या उचित समय के भीतर अन्यथा सूचना नहीं देती है या महत्वपूर्ण ढंग से जाँच में गाधा डालती है तो प्राधिकारी, उसे उपलब्ध तथ्यों के आधार पर केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं जो वे उचित समझें।**

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 18th March, 1999

Subject :—Initiation of anti-dumping investigation concerning import of Polystyrene from China PR, Hong Kong, Singapore and Thailand.

No. 33/1/98 DGAD : M/s Polystyrene Producers Association have filed a petition, on behalf of the domestic industry, in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Polystyrene from China PR, Hong Kong, Singapore and Thailand and requested for anti-dumping investigation and levy of anti-dumping duties

1. **Standing :** The petitioner is an association of Polystyrene producers in India and the petition is supported by the following three producers :

- Supreme Petrochem Ltd., Mumbai
- LG Polymers India Pvt. Ltd., Visakhapatnam
- Rajasthan Polymers and Resins Ltd., Abu Road, Rajasthan

Production of the above three companies constitutes majority production of Polystyrene in India and the association, therefore, satisfied the standing to file the petition, on behalf of the domestic industry

2. **Product Involved :** The product involved in the present investigation is Polystyrene originating in or exported from China PR, Hong Kong, Singapore and Thailand, classified under custom sub-heading 3903 of the Customs Tariff Act. The classification is, however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

3. **Countries/Territories Involved :** The countries/territories involved in the present investigations are the Peoples Republic of China, Hong Kong, Singapore and Thailand.

4. **Like Goods :** The petitioner has claimed that the goods exported from China PR, Hong Kong, Singapore and Thailand and being produced by the petitioner are being consumed interchangeably and therefore, have characteristics closely resembling each other. Goods produced by the subject companies can, therefore, be treated as like articles to the goods imported from China PR, Hong Kong, Singapore and Thailand within the meaning of the Rules.

5. **Dumping and Dumping Margin :**

- a. **Normal value :** The petitioners has claimed normal value on the basis of selling prices of polystyrene prevailing in exporters domestic market based on ICIS-LOR Group publication in respect of China PR, Hong Kong, Singapore. Normal value in respect of Thailand has been claimed based on global manufacturing cost.
- b. **Export price :** The petitioner has claimed export price on the basis of data from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS), Calcutta and the data compiled from the Customs Daily lists for the Mumbai and Kandla ports for 1997-98.
- c. There is sufficient prima facie evidence with regard to the normal values in the subject countries/territory, the prices at which goods have been exported from the subject countries/territory and that the normal values of Polystyrene in the subject countries/territory are significantly higher than the price at which these have been exported to India, indicating, prima facie, that the goods are being dumped by the exporters from the subject countries/territory.

6. **Injury :** The petitioner has claimed that imports of Polystyrene in India have caused the subject companies material injury and further threatens material injury. The imports of Polystyrene are entering in India at such a price as to have a significant depressing and/or suppressing effect on the domestic prices of Polystyrene in India. The various economic indicators relating to domestic industry such as decline in domestic prices and realisation, profit/loss etc. also collectively and cumulatively, prima facie, indicate that the domestic industry has suffered material injury and the same also pose a threat of material injury.

7. **Initiation of Anti-Dumping Investigation :** The Authority, therefore, initiates anti-dumping investigation into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from China PR, Hong Kong, Singapore and Thailand.

8. **Period of Investigation :** The period of investigation for the purpose of present investigations is 1st April, 1997 to 30th September, 1998.

9. **Submission of Information :** The exporters in the said countries/territory and importers in India know to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and make their view known to

Mrs. Rathi Vinay Jha, Designated Authority and Additional Secretary,
Government of India, Ministry of Commerce,
Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

10. **Time Limit :** Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

11. **Inspection of Public File :** In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

12. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority